एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य– अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी साहित्य – प्रथम प्रश्न–पत्र

द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य का इतिहास

(रीतिकाल एवं आधुनिक काल)

नोटः– निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2X15 = 30 अंक**

प्रश्न –1. रीतिकाल की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ?

प्रश्न– 2. रीतिकाल के नामकरण एवं वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न– 3. छायावाद की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए?

प्रश्न–4. प्रयोगवाद की विशेषताओं को सविस्तार बताइए?

प्रश्न–5. हिन्दी उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–6. हिन्दी निबंध के विकास क्रम को सविस्तार समझाइए?

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य– अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र : काव्यशास्त्र–II (पाश्चात्य)

नोटः– निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2X15 = 30 अंक**

प्रश्न 1. प्लेटो के 'काव्य चिंतन' को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. अरस्तु द्वारा प्रतिपादित 'त्रासदी सिद्धांत' की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 3. टी. एस. इलियट के 'निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत' पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4. क्रौंचे के 'अभिव्यंजनावाद के सिद्धान्त' का प्रतिपादन कीजिए।

प्रश्न 5. सैद्धान्तिक आलोचना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 6. पाठालोचन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य – अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी –द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी गद्य–II (हिन्दी कहानी)

नोटः– निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2X15 = 30 अंक**

प्रश्न–1. निम्नलिखित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

जिस समाज में रात–दिन मेहनत करनेवालों की हालत, उनकी हालत से बहुत कुछ अच्छी न थी। और किसानों के मुकाबले में वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, कहीं ज्यादा सम्पन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात न थी। हम तो कहेंगे घीसू किसानों से कहीं ज्यादा विचारवान था जो किसानों के विचारशून्य समूह में शामिल होने के बदले बैठकबाजों की कुत्सित मण्डली में जा मिला था।

प्रश्न–2. 'रोज' कहानी की कथावस्तु पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3. निर्मल वर्मा की 'परिन्दे' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–4. 'यही सच है' कहानी की नायिका दीपा का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न–5. 'जहां लक्ष्मी कैद है' कहानी की मूल संवेदना अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न–6. 'विनाशदूत' कहानी की कथावस्तु को स्पष्ट कीजिए।

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य– अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी –द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र : मध्यकालीन काव्य

नोटः– निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2X15 = 30 अंक**

प्रश्न–1. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(क) लरिकाई को प्रेम, कहौ, कैसे करिकै छूटत ?

कहा कहौं ब्रजनाथ –चरित अब अंतरगति यों लूटत।।

चंचल चाल मनोहर चितवनि, वह मुसुकानि मंद धुनि गावत।

नटवर भेस नंदनंदन को वह विनोद गृह वन ते आवत।।

चरनकमल की सपथ करति हौं यह संदेस मोहि विष सम लागत ।

सूरदास मोहि निमिष न बिसरत मोहन मूरति सोवत जागत ।।

प्रश्न –2. भ्रमरगीत परम्परा में सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न–3. 'विनयपत्रिका' के आधार पर तुलसी की भक्ति–भावना पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न–4. 'विनयपत्रिका' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–5. मीरां–मुक्तावली के आधार पर मीरां की विरह–वेदना पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिये।

प्रश्न–6. मीरां की भक्ति–भावना पर सारगर्भित लेख लिखिए।

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य– अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी –चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र : आलोचना एवं आलोचक

नोटः– निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2X15 = 30 अंक**

प्रश्न–1. हिन्दी आलोचना के उद्‌भव और विकास पर विस्तार से प्रकाश डालिये ।

प्रश्न–2. हिन्दी आलोचना की प्रमुख पद्धतियों (रुपों) को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न–3. 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था' निबंध में शुक्ल जी की प्रतिभा का विवेचन कीजिए।

प्रश्न–4. नन्ददुलारे वाजपेयी के 'छायावाद' निबंध का सार अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न–5. आलोचना के क्षेत्र में डॉ. नगेन्द्र के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न–6 डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी की आलोचना दृष्टि की व्याख्या कीजिए।

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य – अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी – चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र : आधुनिक काव्य–I

नोटः– निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2X15 = 30 अंक**

प्रश्न–1. प्रस्तुत पद्यांश **की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**

नील परिधान बीच सुकुमार, खिल रहा मृदुल अधखुला अंग, खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघ–वन–बीच गुलाबी रंग । आह ! वह मुख ! पश्चिम के व्योम, बीच जब घिरते हों धनश्याम, अरुण रवि–मण्डल उनको भेद, दिखाई देता हो छविधाम। या कि नव–इन्द्रनील–लघुश्रृंग, फोड़कर धधक रही हो कांत, एक लघु ज्वाला मुखी अचेत, माधवी रजनी में अश्रांत।

प्रश्न–2 'कामायनी' के पठित अंशों के आधार पर प्रसाद के जीवन दर्शन को विवेचित कीजिए।

प्रश्न–3 प्रस्तुत पद्यांश की सप्रसँग व्याख्या कीजिए–

चक्र से चक्र मन बढ़ता गया ऊर्ध्व निरलस,
कर जप पूरा कर एक चढ़ाते इन्दीवर, निज पुरश्चरण इस भांति रहे
हे पूराकर, चढ षष्ठ दिवस आज्ञा पर हुआ समासित मन
प्रतिजप से खिंच –खिंच होने लगा महाकर्षण,
संचित त्रिकुटी पर ध्यान द्विदल देवी–पद पर
जप के स्वर लगा काँपने पर थर–थर–थर अम्बर
दो दिन निःस्पन्द एक आसन पर रहे राम, अर्पित करते इन्दीवर जपते हुए नाम।

प्रश्न–4. 'राम की शक्ति पूजा' कविता का सारांश लिखिए।

प्रश्न–5. प्रस्तुत पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

"यह वीणा उत्तराखण्ड के गिरि अन्तर से
घने वनों में जहाँ तपस्या करते हैं व्रतचारी
बहुत समय पहले आयी थी। पूरा तो इतिहास न जान सके हम
किन्तु सुना है, व्रजकीर्ति ने मंत्रपूत जिस
अति प्राचीन किरीटी–तरु से इसे गढ़ा था –
उसके कानों में हिम–शिखर रहस्य कहा करते थे अपने।

प्रश्न 6. 'असाध्य वीणा' कविता का सारांश लिखिए ?

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य – अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी – चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र : भाषा–विज्ञान II

नोटः– निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2x15 = 30 अंक**

प्रश्न–1 हिन्दी की उपभाषाएं और बोलियों को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–२ राजस्थानी भाषा का परिचय देते हुए, मारवाडी, हाडौती और मेवाती बोलियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न–3 सर्वनाम की परिभाषा बतलाते हुए, सर्वनाम के भेदों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–4 क्रिया विशेषण को परिभाषित करते हुए, इसके भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–5 ब्राह्मी लिपि और खरोष्ठी लिपि को विस्तार से स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न–6 देवनागरी लिपि के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालते हुये, देवनागरी लिपि की विशेषताएं बताइये ।

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य – अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी – चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न–पत्र : आधुनिक काव्य– II

नोटः– निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2x15 = 30 अंक**

प्रश्न–1. प्रस्तुत पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

वह पठार मैदान, खुला खुला फैला मन काई–भान,
उठती–गिरती मैदानी रेखाओं में, जग से संवादी संगति कर
चमक रही है असंग निज वेदना, उन मैदानी रेखाओं में
गरमी कितनी, ताक़त कितनी,यह सोचो तो, वह ताकत मुझको दो
वह गरमी मुझको दो, मुझे बना तुम खैबर की, काली भूरी ऊँची गरम चट्टान
ऐसी शक्तिमान रूपाकृति मुझको दो, वह संस्कृति मुझको दो !!

प्रश्न–2 गजानन माधव मुक्तिबोध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विवेचन करते हुए 'बबूल' कविता का सारांश लिखिए।

प्रश्न–3 प्रस्तुत पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

बॉस की टहनी–सी लचक वाली,
बाप की छाती पर साँप–सी लोटती
सपनों में काली छाया–सी डोलती, सात भाइयों के बीच चम्पा सयानी हुई
ओखल में धान के साथ कूट दी गई, भूसी के साथ कूडे पर फेंक दी गई
वहाँ अमरबेल बन कर उगी। झरबेरी के साथ कटीली झाड़ों के बीच चम्पा अमरबेल बन सयानी हुई,
फिर से घर में आ धमकी। सात भइयों के बीच सयानी चम्पा एक दिन घर की छत से लटकती पाई गई तालाब में जलकुम्भी के जालों के बीच दबा दी गई।

प्रश्न–4 पाठ्य पुस्तक में पठित अंशों के आधार पर 'कात्यायनी' की कविताओं का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न–5. प्रस्तुत पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मुझ से तो अच्छी रही वह मोरपंख
जो तुम्हारे मुकुट पर चढ़ी–और न भी चढ़ती
पर जिसका सौन्दर्य, उसका अपना था।
यह अन्तर क्या कम है कि तुम्हारा संगीत
मेरी विवशता है और मोरपांख का सौन्दर्य तुम्हारी?
बुरा न मानना कि अब मैं, तुम्हारी बाँसुरी नहीं रहा।

प्रश्न–6. नन्दकिशोर आचार्य के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का विवेचन कीजिए।

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय,जयपुर

असाइनमेन्ट कार्य– अप्रैल– 2024

एम. ए. हिन्दी – चतुर्थ सेमेस्टर

पंचम प्रश्न–पत्र : (कवि, साहित्यकार) प्रेमचन्द

नोटः– निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **पूर्णांक 2x15 = 30 अंक**

प्रश्न–1. प्रस्तुत गद्यावतरण की सप्रसँग व्याख्या कीजिए –

सालाना इम्तहान हुआ। भाई साहब फेल हो गए, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया। मेरे और उनके बीच में केवल दो साल का अंतर रह गया। जी में आया, भाई साहब को आड़े हाथों लूँ– आपकी वह घोर तपस्या कहाँ गई ? मुझे देखिए, मजे से खेलता भी रहा और दर्जे में अव्वल भी हूँ। लेकिन वह इतने दुखी और उदास थे कि मुझे उनसे दिली हमदर्दी हुई और उनके घाव पर नमक छिडकने का विचार ही लज्जास्पद जान पडा।

प्रश्न–2 कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'पूस की रात' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–3 'गबन' उपन्यास के नायक रमानाथ का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न–4 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–5. प्रेमचंद के कथा साहित्य की सामाजिक चेतना का विश्लेषण कीजिये।

प्रश्न–6 'मुंशी प्रेमचन्द के कथा साहित्य में ग्रामीण सांस्कृतिक चेतना का चित्रण हुआ है।' स्पष्ट कीजिए।